सत्य ज्ञान को आचरण में लाने वाला ही सच्चा ज्ञानी है - पूर्णानंदगिरी

माउंट आबू, 17 मई। गुजरात कलोल कपिलेश्वरधाम के महंत स्वामी पूर्णानंदगिरी ने कहा है कि सत्य ज्ञान को आचरण में लाकर कथनी करनी में समानता लाने वाला ही सच्चा ज्ञानी है। वे ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में धार्मिक प्रभाग की ओर से मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में अध्यात्म का योगदान विषय पर आयोजित सेमीनार को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जहां बिना किसी स्वार्थ के परोपकार की भावना है वहीं प्रेम, पवित्रता, शांति, आंनद की तरंगे प्रस्फुटित होती हैं। केवल पोथी पढ़ने से ज्ञानी नहीं बना जा सकता। समाज को शांति पथ पर लाने के लिए स्वयं की जीवनशैली को शांतिमय बनाना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि अमृत समान ज्ञान हमें मुक्ति जीवनमुक्ति का रास्ता बताता है। सत्य ज्ञान से ही कर्मों की सही परिभाषा समझ आती है जिससे मेरे तेरे के संकुचित विचार समाप्त हो जाने से मानसिक विशालता बढ़ जाती है। सब धर्मों के मध्य आत्मिक रिश्ता कायम होने से ही विश्व शांति व मानवीय कल्याण संभव होगा। जीवन का पहला धर्म है शांति व प्रेम। जो इंसान सभी को प्रेम करता है वही सतमार्ग पर चलते हुए परमात्मा का अनुभव कर सकता है।

बेलगाम महास्वामी हुंसीकोल मठ के वेदांताचार्य राचोटीश्वेर ने कहा कि नाम, रूप, रंग की मानसिकता से ही समाज में अशांति पनप रही है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से विश्व में जो भारतीय प्राचीन संस्कृति का प्रचार प्रसार किया जा रहा है उससे निसंदेह ही विश्व को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकता है। इस संस्थान की ओर से समाज को जो आत्मज्ञान की अमूल्यनिधि वितरित की जा रही है वह अवश्व ही फलीभूत होकर नए युग का सूत्रपात करेगी।

आंध्रप्रदेश से आए श्रीश्रीश्री श्रीधर स्वामी ने कहा कि ज्ञान व वैराग्य का फलीभूत स्वरूप इस व यहां रहने वाले साधकों में प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। परमात्मा द्वारा माताओं व बहनों को माध्यम बनाकर विश्व परिवर्तन का यह पुनीर्त कार्य अवश्य ही सफलता को प्राप्त करेगा।

नाभा गुरुद्वारा से आए ग्रंथी हाकमसिंह ने कहा कि स्वार्थ की भावना से इंसानियत व मानवता के मूल्यों का पतन हो रहा है। समाज से वैर, नफरत, हिंसा को समाप्त करने के लिए आध्यात्मिक सशक्त माध्यम है। अमन-चैन, आपसी भाईचारा कायम करने को सभी धर्मों को एकता के सूत्र में बंधना होगा।

इस अवसर पर प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके मनोरमा बहन, बीके मृत्युजंय, बीके गीता बहन ने भी विचार व्यक्त किए।